रेल मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते) : (क). पिछले वर्ष की बाढ़ों के दौरान, नारायणपुर रेलवे स्टेशन (पूर्वोत्तर रेलवे) के निकट गंगा नदी का पश्चिमी तट बुरी तरह कट गया और नदी की कोर लगभग 287 मीटर भीतर घुसकर रेलवे लाइन तक पहुंच गयी । चूंकि इससे रेल-पथ की संरक्षा को गम्भीर खतरा पैदा हो गया था, अतः बिहार राज्य सरकार से यह अनुरोध किया गया था कि और आगे कटाव की रोक-थाम के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करे और नदी के द्वारा और आगे विध्वंस से रेलवे लाइन को बचाये । राज्य सरकार ने इसके लिए लगभग 365 लाख रुपये की एक योजना बनायी है और तकनीकी दृष्टि से उसकी स्वीकृति के लिए उसे गंगा बाढ़ नियंत्रण निगम को भेजा गया है, जिसकी प्रतीक्षा की जा रही है । रेल मंत्रालय ने इस बात के लिए अपनी सहमति पहले ही दे दी है कि वह अन्य तीन प्रभावित पक्षों, अर्थात् बिहार राज्य सरकार, परिवहन मंत्रालय (राष्ट्रीय राजमार्ग) तथा भारतीय तेल निगम (तेल पाइप लाइन), के साथ मिलकर बराबर-बराबर खर्च वहन करने को तैयार है । इस योजना को अभी राज्य सरकार की स्वीकृति मिलना बाकी है । स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए राज्य सरकार से अनुरोध किया गया है कि वह इस काम को शीघ्र शुरू कराये और आगामी मानसून से पहले इसे पूरा कर दे ।

(ख) राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी प्रारम्भिक योजना में नदी के किनारे-किनारे 13,200 फुट दूरी में पलस्तर करना और अवतरण मंच बनाना तथा 13 नग जोड़-बन्ध बनाना शामिल है । तथापि, इस योजना को गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग के परामर्श से अभी अंतिम रूप दिया जाना है ।

Transfer of High Court Judges

34. SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government propose to reconsider the question of transfer of High Court Judges who were transferred during the period of Internal Emergency; and

(b) if so, broad features thereof?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) and (b). The matter is under review and the Government will take a decision shortly.

चालू उर्वरक कारखाने और उनका उत्पादन

35. **श्री नारायण कृष्ण शेजवलकर** : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय भारत में कितने उर्वरक कारखाने चल रहे हैं, उनके मालिकों के नाम क्या है, उनकी उत्पादन क्षमता कितनी है तथा गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक में कितना कितना उत्पादन हुआ है ; और

(ख) क्या देश में वर्तमान मांग और आवश्यकता पूरी करने के लिए उनका उत्पादन पर्याप्त है ; और

(ग) यदि नहीं, तो यह कमी पूरी करने की क्या योजनाएं हैं ?

पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवतीनन्दन बहुगुणा) (क) एक विवरण पत्र सभा पटल पर प्रस्तुत है : [ग्रंथालय में रखा गया। देखिए संख्या एल टी 53/77]

(ख) और (ग). देश में उर्वरक की मांग को पूरा करने के लिए देशीय उत्पादन अपर्याप्त होने पर कमी को पूरा करने के लिए आयात की व्यवस्था की जायेगी ।